कक्षा - पाँचवी, विषय - संस्कृत

पाठ 10 - संघे शक्तिः

3 संस्कृत में उत्तर दीजिए -

(क) दाक्षिणात्ये जनपदे महिलारोप्यम् नाम नगरम् आसीत्।

(ख) वटपादपः महिलारोप्यं नगरस्य समीपे आसीत्।

(ग) लघुपतनकः खगान् अकथयत् - भो भो खगाः! अद्यभिः एते तण्डुलाः न भक्षणीयाः। एते हि कालकूटाः।

(घ) चित्रग्रीवः सर्वान् कपोतान् अवदत् - यूयं पाशेन सह शीघ्रम् आकाशे उत्पतत।

(ङ) बद्धाः कपोताः आकाशे जालेन सह उदपतन्।

4 संस्कृत में अनुवाद कीजिए -

(क) उत्तरप्रदेशे मेरठ नाम नगरम् अस्ति।

(ख) तत्र एकः विश्वविद्यालयः अस्ति।

(ग) कुलपतिः छात्रान् अकथयत्।

(घ) संघे महद् शक्ति भवति।

(ङ) कलयुगे संघस्य महती आवश्यकता अस्ति।

(च) संघे सर्वेषां सुरक्षा अस्ति।

कक्षा - पाँचवी, विषय - संस्कृत

पाठ 11 — सुभाषितानि

1. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ लिखिए -

(1) विद्या - - - - - - - मृतस्य च ।

अर्थ परदेशों में विद्या मित्र है, और घरों में पत्नी मित्र है। रोगी का मित्र दवाई और मरे हुए (व्यक्ति) का मित्र धर्म है।

(2) वरमेको - - - - - - - तारागणोऽपि वा ।

अर्थ - सैकड़ों मूर्ख पुत्र होने से एक गुणी पुत्र ही श्रेष्ठ होता है। जिस प्रकार से सैकड़ों तारों के समूह से एक ही चन्द्रमा श्रेष्ठ होता है क्योंकि वह अंधकार को नष्ट कर देता है।

(3) उद्यमेन - - - - - - - मुखे मृगाः

अर्थ - निश्चय ही परिश्रम करने से सभी कार्य सिद्ध होते हैं, मन की इच्छा से नहीं। जिस प्रकार सोए हुए शेर के मुख में हिरण प्रवेश नहीं कर सकता।

(4) परोक्षे - - - - - - - पयोमुखम् ।

अर्थ - पीठ पीछे काम बिगाड़ने वाले, और सामने प्रिय बोलने वाले मित्र को उसी प्रकार छोड़ देना चाहिए जिस प्रकार विष से भरे घड़े को, जिसके मुख पर दूध लगा हो।

(6) चिन्तनीया - - - - - - - वह्निना गृहे ।

अर्थ - निश्चय ही विपत्तियों का उपाय शुरू में ही सोच लेना चाहिए। जिस प्रकार से ~~प्रकाश के लिए~~ घर में आग ~~जलने~~ ~~कि कुआं~~ ~~खोदना~~ लगने पर कुआं खोदना उचित नहीं है।

(7) रूपयौवनसम्पन्नाः - - - - - - - किंशुकाः ।

अर्थ - रूप यौवन से सम्पन्न, विशाल कुल में उत्पन्न हुए विद्या से हीन व्यक्ति गन्धहीन टेसू के फूल के समान शोभा नहीं पाते।

Scanned with CamScanner

(7) नास्ति — — — — — — — — — परं सुखम्।
(5)अर्थ – लोभ के समान कोई रोग नहीं है, क्रोध से बढ़कर कोई शत्रु नहीं है। गरीबी से बढ़कर दुःख नहीं है, ज्ञान से बढ़कर सुख नहीं है।

(8) अधमाः — — — — — — — — महतां धनम्
अर्थ- नीच लोग धन की इच्छा करते हैं, और मध्यम लोग धन और मान की इच्छा करते हैं। उत्तम लोग मान की इच्छा करते हैं, निश्चय ही मान (सम्मान) ही सबसे बड़ा धन है।

(9) स्वभावो — — — — — — — — शीतताम्।
अर्थ- किसी व्यक्ति के मूल स्वभाव को केवल उपदेश या सलाह देकर बदलना संभव नहीं है। जिस प्रकार ठंडे पानी को गर्म करने पर भी वह पुनः ठंडा हो जाता है।

3 संस्कृत में उत्तर दीजिए –

(क) प्रवासेषु मित्रं विद्या अस्ति।

(ख) कार्याणि उद्यमेन सिध्यन्ति।

(ग) विषकुम्भं पयोमुखं मित्रं वर्जयेत्।

(घ) ज्ञानात् परं सुखं नास्ति।

(ङ) अधमाः धनं इच्छन्ति।

5 संस्कृत में अनुवाद कीजिए –

(क) गृहे भार्या मित्रं भवति।

(ख) चन्द्रः तमं नश्यति।

(ग) मानं मधुरं विषं अस्ति ।

(घ) विद्याहीन जनः दुःखं प्राप्नोति ।

(ङ) तप्तं जलं पुनः शीतः भवति ।

Scanned with CamScanner